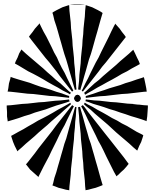

लास्ट दो-तीन सीझन से त्रिकालदर्शी बापदादा अपने वतन से पुरानी दुनिया की सभी आत्माओंकी अंतिम हालतें देखकर हमें समय की सूचना दे रहा है । हम सभी ब्राह्मण बच्चे-जो इश्वरीय पढाई पढ रहे है, तो नंबर एनाउन्स होने के लिये अचानक कोई पेपर आने वाला है जिसका समय नजदीक है - तो एवररेडी के पुरुषार्थ से हम पास वीथ ओनर बने । कहीं अलबेलेपन की माया से हमारा नंबर पीछे नहीं रह जाय । तो एलर्ट रहने के लिये इस लास्ट सीझन की मुरलीओं से ‘‘समय के गंभीर ईशारे’’ जो बापदादाने हम बच्चों के कल्याण के लिये पहले से बताया है उनका ये संग्रह है, जिसे पढते रहने से आत्मा तीव्र पुरुषार्थ करने में जागृत रहती है ।

अटेन्शन प्लीझ

✱ बापदादा ने यह पहले ही बच्चों को सूचना दे दी है कि जमा के खाते जमा करने का समय अब संगमयुग है । इस संगमयुग पर अब जितना जमा करने चाहो, सारे कल्प का खाता अब जमा कर सकते हो । फिर जमा के खाते की बेंक ही बन्द हो जायेगी । फिर क्या करेंगें? इसलिए बापदादा को बच्चों से प्यार है ना । तो बापदादा जानते हैं कि बच्चे अलबेलेपन में कभी भूल जाते हैं, हो जायेगा, देख लेंगे, कर तो रहे हैं, चल तो रहे हैं ना। बडे मजे से कहते, आप देख नहीं रहे हो, हम कर रहे हैं, हां चल तो रहे हैं और क्या करें? लेकिन चलना और उडना कितना फर्क है ? चल रहे हो मुबारक है । लेकिन अभी चलने का समय समाप्त हो रहा है । अभी उडने का समय है, तभी मंजिल पर पहुंच सकेंगे । 18-3-2008

✱ करना पडेगा । मुझे बाप समान बनना ही है । कोई बने नहीं बने, मुझे बनना है । अपनी रेसपान्सिबिलीटी तो उठा सकते हैं ना । दूसरे की छोडो, अपनी रेसपान्सिबिलीटी उठाये मुझे बनना है । मुझे करके दिखाना है । तो आप सबका वायुमण्डल अनेक आत्माओं को मदद देगा । यह नहीं देखो यह तो करते नहीं है, यह तो बदलते नहीं है, मैं बदलूं । दूसरा आपे ही बदलेंगे, मैं अपनी जिम्मेवारी लूं । ६ मास के बाद पूछें । ६ मास ठीक है । जो समझते हैं मैं बदलूं, दूसरे को नहीं देखो । दूसरे को बापदादा देखेगा । न दूसरे का वर्णन करो, यह ऐसा है, यह ऐसा है, नहीं । वह बाप देखेगा । मुझे बदलना है । ६ मास में दूसरे को नहीं देखना । कारण नहीं बताना इसने किया ना । करेंगे जरुर, परेशानी देंगे, क्योंकि माया सुन रही है ना । बातें आयेंगी । आप कहो बातें ही नहीं आवें, यह नहीं होगा, लेकिन मुझे बदलना है । 2-4-2008

✱ अभी जो सोचेंगे वह सोच, सोच रहेगा और कुछ समय के बाद जब समय की सीमा नजदीक आयेगी तो सोच पश्चाताप के रुप में बदल जायेगा । यह करते थे, (श्रीमत के खिलाफ के संकल्प, बोल) यह करना था (जो जो बाबाने कहा है).. तो सोच नहीं रहेगा, पश्चाताप में बदल जायेगा। इसीलिए बापदादा पहले से ही इशारा दे रहा है । 5-3-2008

✱ इसीलिए बापदादा समय की समीपता का बार-बार इशारा दे रहा है । स्व-पुरुषार्थ का समय बहुत थोडा है, इसलिए अपने जमा के खाते को चेक करो । तो चेक करो कि अचानक अगर कोई भी पेपर आ जाए तो पास विद ओनर हो सकेंगे ? 15-12-2007

समय की समीपता के बापदादा के गंभीर इशारे

15-10-07

- बापदादा अभी समय की समीपता प्रमाण हर एक बच्चे में क्या देखने चाहते है ? जो कहते हैं वह करके दिखाना है । जो सोचते हो वह स्वरुप में लाना है ।

- अभी 6 मास बापदादा देते है क्योंकि अभी सीजन तो शुरु होनी ही है, तो 6 मास, ज्यादा टाइम दे रहे हैं । स्व-सेवा अर्थात चेक करना और अपने को बाप समान बनाना ।
- अभी देख तो लिया, बापदादाने कितने समय से दो शब्द बार-बार रिवाइज कराये है, वह दो शब्द कौन से है ? अचानक और एवररेडी । याद है ना ! याद है ? आपकी बहुत अच्छी दादी चन्द्रमणि, अचनाक गई थी, याद है ? तभी से, कितना टाईम हो गया, (१० साल) और उसके बाद कितने अचानक के हुए है ? आपकी दादी कैसे गई ? अचानक गई ना । अच्छा दादी से प्यार है, तो यह अचानक का पाठ दादी को याद करके याद करो ।
- जब भी दादी की याद आवे तो सिर्फ चित्र नहीं देखना लेकिन यह याद करो मैं भी एवररेडी हूं । मुझे भी अचानक का पाठ याद है ? अभी-अभी मैं भी अचानक चली जाउं, तो नष्टोमोहा, प्रकृतिजीत हूं?
- कोई कस्टम की चीज होगी तो रुक जायेगी । रावण की चीज हुई ना कस्टम । कोई भी रावण का संस्कार, स्वभाव वह धर्मराज पुरी कस्टममें फंसा देगी ।

31-10-07

- अभी समय की समीपता प्रमाण वरदानों को हर समय अनुभव में लाओ । अनुभव की अथॉरिटी बनो ।
- चलनेवाले नहीं बनना उडने वाले । चलने वाले समय पर नहीं पहुंच सकेंगे, उडने वाले बनना, डबल लाइट।

30-11-07

- अभी समय तीव्र समीप आ रहा है । समय में तीव्रता आ गई है लेकिन दुःख अशान्ति के समय को समाप्त करने वाले, उन्हों को तो समय से भी तीव्र बनना ही है ।
- जो आप सब निमित्त हैं, उन्हों को विशेष इस समय यह अटेन्शन रखना है कि सन्तुष्ट रहना ही है लेकिन सब सन्तुष्ट रहें, वायुमण्डल सन्तुष्ट रहे, उसके लिए आपसमें कोई न कोई प्लैन बनाते रहना । क्योंकि समय तीव्रता से समीप आ रहा है ।

15-12-07

- आजकल के समय प्रमाण सबसे अमुल्य श्रेष्ठ खजाना है - पुरुषोत्तम संगम का समय क्योंकि इस संगम पर सारे कल्प की प्रालब्ध बना सकते हो । बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि समय की रफ्तार बहुत तीव्र गति से आगे बढ रही है । समय की गति को जानने वाले अपने को चेक करो

कि मास्टर सर्वशक्तिवान हमारी गति तीव्र है ? एवररेडी का अर्थ है - मन-वचन-कर्म, सम्बन्ध-सम्पर्कमें समय का आर्डर हो अचानक तो एवररेडी, और अचानक ही होना है । जैसे अपनी दादी को देखा अचानक, एवररेडी ।

- तो एवररेडी हो ना ? कल भी कुछ हो जाए एवररेडी हैं ? क्योंकि समय आपका इन्तजार कर रहा है । बापदादा मुक्ति का गेट खोलने का इन्तजार कर रहा है । एडवांस पार्टी आपका आह्वान कर रही है ।
- समय की पुकार है, जल्दी करो, जल्दी करो, जल्दी करो और अचानक होना है । इसलिए मीटिंग में कोई न कोई प्लैन बनाओ । कैसे करें, क्या करें ?

31-12-07

- ऐसे नहीं समझना एक सेकण्ड, एक मिनट ही तो गया, व्यर्थ जाना इसको ही अलबेलापन कहा जाता है ।
- बाप समान, समय की समीपता प्रमाण और दादी के इशारे प्रमाण समय की सम्पन्नता अचानक कभी भी होना सम्भव है ।

18-1-08

- चारों ओर के बच्चों में विशेष संकल्प वर्तमान समय दिल में इमर्ज है कि अब कुछ करना ही है। यह उमंग-उत्साह मैजारिटी में संकल्प रुपमें है । स्वरुप में नम्बरवार है लेकिन संकल्प में है ।
- लेकिन बापदादा पूछते है आखिर भी कब तक ? इसका उत्तर दादियां देंगी - आखिर कब तक ? पाण्डव देंगे - आखिर कब तक ?

2-2-08

- पुरुषार्थ है लेकिन तीव्र करना क्योंकि समय बहुत फास्ट जा रहा है । अचानक कुछ भी हो सकता है।
- दादी का भी सकाश देने का, समय को समीप लाने का पार्ट अच्छा चलेगा ।
- अभी समय प्रकृति द्वारा अपनी चैलेन्ज कर रहा है । समय की समीपता को कामन बात नहीं समझो। अचानक और एवररेडी शब्द को अपने कर्मयोगी जीवनमें हर समय स्मृति में रखो ।
- लेकिन अभी समय कम है ।
- मन-बुद्धि संस्कार तीनों के उपर कन्ट्रोलिंग पावर यह अभ्यास आने वाले समय में बहुत सहयोग देगा। वायुमण्डल के अनुसार एक सेकण्डमें कन्ट्रोल करना पडेगा । जो चाहे वही हो । तो यह अभ्यास बुहत आवश्यक है, इसको हल्का नहीं करना क्योंकि समय पर यही अन्त सुहानी करेगा।

18-2-08

- बापदादा जानते हैं जैसे-जैसे समय समीप आ रहा है उसी प्रमाण हर एक बच्चे के दिल में यह संकल्प, यह उमंग-उत्साह है कि अभी कुछ करना ही है क्योंकि देख रहे हो कि आज की तीनों सत्तायें अति हलचल में हैं । चाहे धर्म सत्ता, चाहे राज्य सत्ता, चाहे साइंस की सत्ता, साइन्स भी अभी प्रकृति को यथार्थ रुप में चला नहीं सकती । यही कहते, होना ही है क्योंकि साइंस की सत्ता

प्रकृति द्वारा कार्य करती है । तो साइंस के साधन होते, प्रयत्न करते भी प्रकृति अभी कन्ट्रोल में नहीं है और आगे चलकर यह प्रकृति के खेल और भी बढते जायेंगे क्योंकि प्रकृति में भी अभी आदि समय की शक्ति नहीं रही है । ऐसे समय पर अभी सोचो, अभी कौन सी सत्ता परिवर्तन कर सकती है ? यह साइलेन्स की शक्ति ही विश्व परिवर्तन करेगी ।

- इसके लिए अभी हर एक को स्व के प्रति, सारे कल्प की प्रालब्ध राज्य की और पूज्य की इकट्ठा करने के लिए अभी समय है क्योंकि समय नाजुक आना ही है । ऐसे समय पर शान्ति की शक्ति द्वारा टचिंग पावर, कैचिंग पावर बहुत आवश्यक होगी । ऐसा समय आयेगा जो यह साधन कुछ नहीं कर सकेंगे, सिर्फ आध्यात्मिक बल, बापदादा के डायरेक्शन की टचिंग कार्य करा सकेगी । तो अपने में चेक करो - बापदादा की ऐसे समय में मन और बुद्धि में टचिंग आ सकेगी ? इसमें बुहतकाल का अभ्यास चाहिए, इसका साधन है मन बुद्धि सदा ही, कभी कभी नहीं, सदा क्लीन और क्लीयर चाहिए । अभी रिहर्सल बढती जायेगी और सेकण्ड में रीयल हो जायेगी । जरा भी अगर मन में, बुद्धि में किसी भी आत्मा के प्रति या किसी भी कार्य के प्रति, किसी भी साथी सहयोगी के प्रति जरा भी निगेटिव होगा तो उसको क्लीन और क्लीयर नहीं कहा जायेगा ।
- समय आपको पुकार रहा है या आप समय को समीप ला रहे हो ? रचता कौन ? तो आपस में ऐसे-ऐसे प्लैन बनाओ ।

5-3-08

- कितना समय बीत गया, अभी समय की समीपता का और अचानक होने का इशारा तो बापदादाने दे ही दिया है, दे रहा है नहीं, दे ही दिया है । ऐसे समय के लिए एवररेडी, अलर्ट आवश्यक है । अलर्ट रहने के लिए चेक करो - हमारा मन और बुद्धि क्लीन और क्लीयर है ?
- ऐसे सरकमस्टांश आने है जो कहां दूर भी बैठे हो लेकिन क्लीन और क्लीयर मन और बुद्धि होगा तो बाप का इशारा, डायरेक्शन, श्रीमत जो मिलनी है वह कैच कर सकेंगे । टच होगा यह करना है, यह नहीं करना है । इसीलिए बापदादा ने पहले भी सुनाया है तो वर्तमान समय साइलेन्स की शक्ति अपने पास जितनी हो सके जमा करो । जब चाहो, जैसे चाहो वैसे मन और बुद्धि को कन्ट्रोल कर सको । व्यर्थ संकल्प स्वप्न में भी टच नहीं करे, ऐसा माइन्ड कन्ट्रोल चाहिए ।
- अचानक पेपर आने हैं क्योंकि फाइनल रिजल्ट के पहले भी बीच-बीच में पेपर लिये जाते हैं ।
- तो अन्त में इस साइलेन्स की सेवा का सहयोग देना पडेगा । सरकमस्टांश अनुसार यह बहुत ध्यान में रखो, साइलेन्स की शक्ति या अपने श्रेष्ठ कर्मो की शक्ति जमा करने की बेंक सिर्फ अभी खुलती है और कोई जन्म में जमा करने की बेंक नहीं है । अभी अगर जमा नहीं किया फिर बेंक ही नहीं होगी तो किसमें जमा करेंगे !
- तो समाप्ति में बापदादा क्या समाप्ति कराना चाहता है ? एवररेडी हैं कि सोचना पडगा ?
- तो समझा बापदादा क्या चाहते है ? भले मनोरंजन मनाओ, डांस करो, खेल करो लेकिन... लेकिन है । सब कुछ करते भी समान बनना ही है । समान बनने के बिना साथ चलेंगे कैसे ! कस्टम में, धर्मराजपुरी में ठहरना पडेगा, साथ नहीं चलेंगे ।

18-3-08

- बापदादाने सुना दिया है, इशारा दे दिया है कि अभी समय की समीपता तीव्रगति से आगे बढ रही है इसलिए अपनी चेकिंग बार-बार करनी है ।
- वर्तमान समय बापदादा यही चाहते हैं - अभी समय समीप होने के नाते से बापदादा एक शब्द सभी बच्चों के अन्दर से, संकल्प से, बोल से और प्रेक्टिकल कर्म से चेन्ज करना देखने चाहते हैं। हिम्मत है ? एक शब्द यही बापदादा हर बच्चे का परिवर्तन कराना चाहते है, जो एक ही शब्द बार-बार तीव्र पुरुषार्थ से अलबेला पुरुषार्थी बना देता है और अभी समय अनुसार कौन सा पुरुषार्थ चाहिए ? तीव्र पुरुषार्थ और सब चाहते भी हैं कि तीव्र पुरुषार्थियों की लाइन में आये लेकिन एक शब्द वह है कि कारण शब्द को परिवर्तन कर निवारण शब्द को सामने लाओ ।
- मुक्तिदाता बन पहले इस कारण शब्द को मुक्त करो । तो स्वतः ही मुक्ति का आवाज आपके कानों में गूंजेगा । पहले अपने अन्दर से इस शब्द से मुक्त होंगे तो दूसरों को भी मुक्त कर सकेंगे ।
- समय तो समीप आ ही रहा है ।

2-4-08

- अभी तो इस वर्ष का लास्ट टर्न आ गया । दूसरे वर्ष में क्या होता वह तो आप और बाप देख रहे हैं, देखेंगे लेकिन क्या यह एक शब्द समय को देख, आप लोग कहते हो ना, समय की पुकार है। भक्तों की पुकार, समय की पुकार, दुःखी आत्माओं की पुकार, आपके स्नेही, सहयोगी आत्माओं की पुकार आप ही पूर्ण करेंगें ना !
- अभी समय के प्रमाण अचानक की सीजन है । आपने देखा सुना होगा कि इस वर्ष में कितने ब्राह्मण अचानक गये हैं । तो अचानक की घण्टी अभी तेज हो रही है ।
- तो बाप का इशारा समय प्रति समय प्रेक्टिकल देख रहे हो- अचानक-एवररेडी । क्या दादी के लिए सोचा था कि जा सकती है । अचानक का खेल देखा ना । **इस वर्ष एवररेडी ।**